उपेक्षा

मुरला पानी में जल जीवन मिशन की खुली पोल, पाइप बिछे पर टोटियां गायब, गंदा पानी पीने से बढ़ रहा बीमारियों का खतरा

प्यास बुझाने कुएं से कीचड़ निकालने मजबूर ग्रामीण

बबलिया/मुरला पानी, नवभारत। जिले में भीषण गर्मी के बीच पेयजल का संकट गहराता जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित हर घर नल, हर घर जल के दावों के बीच जिले की ग्राम पंचायत मुकास खुर्द अंतर्गत आने वाले पोषक ग्राम मुरला पानी (पीपर टोला) में ग्रामीण कुएं के कीचड़ युक्त पानी पीने को मजबूर है। यहां ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं और अपनी प्यास बुझाने के लिए गांव के पुराने कुएँ की सफाई में जुटे हैं जिससे कीचड़ युक्त पानी को किसी तरह पीने योग्य बनाया जा सके।

ग्रामीणों ने प्रशासनिक उपेक्षा पर भारी आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना उनके गांव में केवल कागजों और अधूरे निर्माणों तक सीमित रह गई है।

झ ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में पाइप लाइन का विस्तार तो कर दिया गया है, लेकिन न तो घर-घर टोटियाँ लगाई गई हैं और न ही पानी की टंकी का निर्माण कराया गया है। नतीजा यह है कि पाइप लाइन बिछने के बावजूद घरों तक पानी की एक बूंद भी नहीं पहुँच रही है। गांव में बिछाई गई पाईप लाईन भी क्षतिग्रस्त हो रही है।

ग्रामीणों ने लगाई जिला प्रशासन से गुहार

ग्राम मुरला पानी के पीपर टोला के निवासियों ने जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से पुरजोर मांग की है कि उनकी समस्या को गंभीरता से लिया जाए। ग्रामीणों ने मांग की है कि अधूरे पड़े जल जीवन मिशन के कार्यों को तत्काल पूर्ण किया जाए। गांव में पानी की टंकी का निर्माण और घर-घर टोटी कनेक्शन सुनिश्चित किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक स्थायी व्यवस्था नहीं होती, तब तक वैकल्पिक साधनों से पेयजल की आपूर्ति की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी प्यास बुझाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

पंचायत और प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने पेयजल की इस विकराल समस्या को लेकर कई बार ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव और संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदन दिए हैं। बार-बार निवेदन करने के बाद भी जिला प्रशासन और पंचायत प्रतिनिधि मौन साधे हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन की इस संवेदनहीनता के कारण आज पूरा गांव प्यास से तड़प रहा है। थक-हारकर ग्रामीण अब स्वयं ही पुराने कुओं की सफाई कर रहे हैं जिससे कीचड़ के बीच से कुछ पानी निकाला जा सके।

गंदा पानी और बीमारी का सता रहा डर

वर्तमान में ग्रामीण जो पानी पीने को मजबूर हैं, वह पूरी तरह प्रदूषित और कीचड़ युक्त है। ग्रामीणों ने चिंता जताते हुए कहा कि शुद्ध पेयजल न मिलने के कारण बच्चे और बुजुर्ग लगातार बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। दूषित पानी पीने से गांव में जलजनित रोगों के फैलने का खतरा बढ़ गया है, लेकिन प्यास बुझाने का और कोई साधन न होने के कारण ग्रामीण यही गंदा पानी पीने को विवश हैं।

भैसानघाट में घायल तेंदुआ पिंजरे में कैद

कैमरा ट्रैप और पिंजरे से हुई घेराबंदी, प्राथमिक उपचार के बाद भेजा मुक्की क्वारेंटाइन सेंटर

कान्हा/मंडला। कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए भैसानघाट परिक्षेत्र में विचरण कर रहे एक घायल तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया है। पिछले कुछ दिनों से यह तेंदुआ क्षेत्र में घायल अवस्था में देखा जा रहा था, जिसकी सूचना गश्ती दल के कर्मचारियों ने प्रबंधन को दी थी। बताया गया कि तेंदुए के घायल होने की सूचना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्र संचालक द्वारा तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया था। तेंदुए की सटीक लोकेशन जानने के लिए वन क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर कैमरा ट्रैप लगाए गए थे। उसे सुरक्षित पकड़ने के लिए रणनीतिक रूप से पिंजरे भी लगाए गए और गश्ती दल द्वारा निरंतर क्षेत्र की निगरानी की जा रही थी।

12 मई की रात पिंजरे में हुआ कैप्चर- प्रबंधन के प्रयासों को उस समय सफलता मिली जब 12 मई की रात्रि में तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। बुधवार 13 मई को क्षेत्र संचालक रवीन्द्रमणि त्रिपाठी और उप संचालक (कोर) प्रकाश कुमार वर्मा ने मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया। पिंजरे में कैद होने के बाद वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप अग्रवाल ने मौके पर ही तेंदुए का प्रारंभिक चिकित्सीय परीक्षण और उपचार किया। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा और निरंतर चिकित्सकीय निगरानी के लिए घायल तेंदुए को मुक्की क्वारेंटाइन सेंटर भेज दिया गया है। इस पूरी कार्यवाही के दौरान हालोन, फेन, मलांजखंड के सहायक संचालकों सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नारायणगंज में 15 मई को जुटेगा अतिथि शिक्षकों का हुजूम

शिक्षा समिति अध्यक्ष और बीईओ की मौजूदगी में रणनीति तैयार

नारायणगंज। नारायणगंज विकासखंड के अतिथि शिक्षकों की लंबित समस्याओं और शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बैठक आगामी 15 मई को आयोजित की गई है। बैठक दोपहर 12 बजे से जनपद पंचायत नारायणगंज के सभाकक्ष में संपन्न होगी।

बैठक की अध्यक्षता जनपद शिक्षा समिति के अध्यक्ष द्वारा की जाएगी। इस दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। बैठक का मुख्य एजेंडा कक्षा 10वीं और 12वीं में विषयवार शत-प्रतिशत अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित करना है, ताकि बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम प्रभावित न हों।

इन मुद्दों पर केंद्रित रहेगी चर्चा-बैठक में अतिथि शिक्षकों की सेवा शर्तों, समय पर मानदेय भुगतान, पोर्टल पंजीयन एवं अपडेशन से संबंधित तकनीकी दिक्कतों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही अतिथि शिक्षक अपनी अन्य स्थानीय समस्याओं को भी सीधे अधिकारियों के समक्ष रखेंगे। संगठन एवं विभाग की ओर से विकासखंड नारायणगंज के समस्त संकुलों के अतिथि शिक्षकों को सूचित किया गया है कि बैठक में उनकी उपस्थिति अनिवार्य है, ताकि सामूहिक रूप से निर्णय लिए जा सकें।

आबकारी विभाग ने होटलों सहित घरों में दी दबिश

अवैध शराब विक्रेताओं पर आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज

मंडला। जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन में आबकारी विभाग ने मंगलवार को व्यापक कार्रवाई की। जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में मण्डला वृत्त की टीम ने शहर के बाईपास स्थित ढाबों, होटलों और रिहायशी इलाकों में दबिश देकर अवैध शराब का जखीरा बरामद किया है।

आबकारी विभाग की टीम ने सबसे पहले मंडला बाईपास पर स्थित विभिन्न होटल और ढाबों की सघन चेकिंग की, जहाँ से 9 बोतल विदेशी मदिरा जब्त की गई। इसके उपरांत टीम ने शास्त्री वार्ड में एक संदिग्ध मकान पर छापा मारा, जहाँ से 50 नग देशी प्लेन, 50 नग विदेशी मदिरा और 15 बीयर कैन, बोतलें बरामद की गईं।

संगम क्षेत्र में भी हुई कार्रवाई-कार्रवाई का सिलसिला महाराजपुर संगम क्षेत्र तक पहुँचा, जहाँ दो अलग-अलग स्थलों पर दबिश दी गई। यहाँ से टीम ने 15 बीयर और 10 नग विदेशी मदिरा जब्त की। अवैध रूप से मदिरा का विक्रय और संग्रहण करने वाले आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। विभाग के अनुसार, जब्त की गई कुल शराब की अनुमानित कीमत लगभग 27 हजार 300 रुपये आंकी गई है।

कार्रवाई में ये रहे शामिल- इस सफल दबिश में आबकारी उपनिरीक्षक सर्वेश नागवंशी, प्रधान आरक्षक दुर्जन कुलेश, आरक्षक नेतराम ककोटिया और शकुंतला सैयाम की मुख्य भूमिका रही। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी।

मवई में लगी जल जीवन मिशन की कार्यशाला

मवई। मध्यप्रदेश जल निगम एवं परियोजना क्रियान्वयन इकाई मंडला द्वारा बुधवार को जनपद पंचायत मवई में दस्तावेज एवं लेखा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। हालोन ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद अध्यक्ष श्रीमती मनीषा मरकाम एवं जनपद सीईओ भागचंद टिमरिया द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में सरपंचों, सचिवों और ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समिति के सदस्यों को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। आईएसए टीम के प्रोजेक्ट मैनेजर रामलल विश्वकर्मा ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सात प्रकार के रिकॉर्ड संधारण और रिकॉर्ड कीपिंग की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही जहाँ पेयजल का ट्रायल रन शुरू होना है, वहाँ शीघ्र टंकी अनुबंध प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को लेखा प्रशिक्षण संबंधी फोल्डर वितरित किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

अब पहचान पत्र के बिना नहीं मिलेगा होटलों में कमरा

संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने पुलिस ने संचालकों को दिए निर्देश

मंडला। पुलिस प्रशासन इन दिनों जिले की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए कड़ा रुख अपनाए हुए है। पुलिस अधीक्षक श्री राजेश रघुवंशी के निर्देशन एवं एसडीओपी मंडला पीयूष मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली और महाराजपुर पुलिस की संयुक्त टीमों द्वारा शहर के विभिन्न होटलों और लॉज का औचक निरीक्षण किया गया। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य अपराधों पर नियंत्रण और संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम करना है। निरीक्षण के दौरान पुलिस टीमों ने होटल और लॉज के रिकॉर्ड खंगाले। थाना प्रभारियों ने संचालकों को सख्त हिदायत दी कि किसी भी परिस्थिति में बिना वैध पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी) के किसी भी व्यक्ति को कमरा उपलब्ध न कराया जाए। पुलिस ने जोर देकर कहा कि पहचान पत्र की फोटो में चेहरा स्पष्ट होना चाहिए और रजिस्टर में ठहरने वाले व्यक्ति का नाम, पता, मोबाइल नंबर एवं पहचान संबंधी अन्य जानकारियां अनिवार्य रूप से दर्ज होनी चाहिए।

संदिग्धों की सूचना देने के निर्देश-सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए पुलिस अधिकारियों ने होटल संचालकों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। संचालकों से कहा गया है कि यदि कोई भी व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में मिलता है या उसकी गतिविधियां असामान्य प्रतीत होती हैं, तो इसकी तत्काल सूचना नजदीकी पुलिस थाने या डायल 112 पर दें।

सुरक्षा को लेकर प्रशासन मुस्तैद-पुलिस की इस सघन चेकिंग से होटल संचालकों के बीच हड़कंप की स्थिति रही। प्रशासन का कहना है कि यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा ताकि शहर की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसी जा सके।

यातायात विभाग ने वसूला 5 .43 लाख से अधिक का जुर्माना

मंडला। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को कम करने के उद्देश्य से मंडला पुलिस द्वारा चलाया गया विशेष हेलमेट अनिवार्यता अभियान संपन्न हुआ। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में जिले भर के सभी थानों और यातायात पुलिस ने इस अभियान के तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की है। बताया गया कि विगत माह 25 अप्रैल से 10 मई तक चले इस विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने 5 लाख 43 हजार 300 रूपए का समन शुल्क वसूला। अभियान के दौरान केवल दंड पर ही नहीं, बल्कि जन-जागरूकता पर भी ध्यान दिया गया। यातायात पुलिस ने प्रमुख चौराहों, स्कूलों और कॉलेजों में जाकर नागरिकों को हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व से अवगत कराया।

सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं थीम पर संगोष्ठी आयोजित

सेवानिवृत्त वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों का हुआ सम्मान

मंडला। जिला चिकित्सालय में लेडी विद द लैम्प के नाम से विख्यात फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिवस और अंतरराष्ट्रीय नर्सेस दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समस्त नर्सिंग ऑफिसर्स ने फ्लोरेंस नाइटिंगेल के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर नर्सिंग सेवा की स्थापना में उनके अविस्मरणीय योगदान को याद किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त सीनियर नर्सिंग ऑफिसर सुषमा पिल्लई, संध्या चक्रवर्ती, निर्मला रिछारिया और आरबी आत्राम उपस्थित रहीं, जिनका अस्पताल स्टाफ द्वारा भावभीना सम्मान किया गया। इन वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने सेवाकाल के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि एक नर्स का उद्देश्य केवल बीमारी का उपचार करना नहीं, बल्कि सेवा, सहयोग और समर्पण के माध्यम से मरीज का संपूर्ण पुनर्वास करना होना चाहिए। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय नर्स परिषद द्वारा घोषित थीम हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि नर्सें स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की रीढ़ हैं। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए नर्सों को सुरक्षा, सम्मान और पर्याप्त संसाधन प्रदान करना अनिवार्य है। जब नर्सों को शिक्षा और नेतृत्व के अवसर मिलते हैं, तो वे अधिक प्रभावी ढंग से जीवन रक्षक देखभाल प्रदान करने में सक्षम होती हैं।

इनकी रही उपस्थिति- आयोजन में जिला चिकित्सालय की प्रभारी मेट्रन मीरा वंशकार, नर्सिंग ऑफिसर कृष्णा वंशकार, अनीता सिंगौर, श्रीमती पद्माक्षी शुक्ला सहित बड़ी संख्या में नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित स्टाफ ने भी अपने कार्यक्षेत्र की चुनौतियों और सफलताओं के अनुभव साझा किए।

चैलेंजर ने मैकल सुपरकिंग्स को 8 विकेट से रौंदा

मंडला। जिला क्रिकेट संघ एवं मैकल क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए आयोजित 15 दिवसीय क्रिकेट समर कैंप और मैकल कप 2026 टूर्नामेंट रोमांचक दौर में पहुँच गया है। टूर्नामेंट के हालिया मुकाबले में फाइन चैलेंजर ने मैकल सुपरकिंग्स पर एकतरफा जीत दर्ज करते हुए लीग में अपनी उम्मीदें कायम रखी हैं।

स्टेडियम ग्राउंड मंडला में सुबह 8 बजे मैच का शुभारंभ भारतीय खिलाड़ी शुचि उपाध्याय की उपस्थिति में टॉस के साथ हुआ। मैकल सुपरकिंग्स के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, जो गलत साबित हुआ। फाइन चैलेंजर के गेंदबाज शुभ चक्रवर्ती की घातक स्पिन गेंदबाजी के सामने सुपरकिंग्स का कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं सका। शुभ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट चटकाए, जिसके चलते पूरी टीम महज 72 रनों पर ढेर हो गई। 73 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी फाइन चैलेंजर की टीम ने सधे हुए अंदाज में बल्लेबाजी की। टीम ने केवल 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और 8 विकेट से भव्य जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही फाइन चैलेंजर, जो अब तक लीग में पिछड़ रही थी, अब फाइनल की दौड़ में मजबूती से वापस आ गई है।

प्रदर्शन

9 दिनों से जारी धरने पर लगा विराम, 14 सूत्रीय मांगों पर बनी सहमति

प्रबंधन ने मानीं कई मांगें, पांच सदस्यीय दल हर माह करेगा पार्क की मॉनिटरिंग

मंडला। कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघों की संदिग्ध मौतों और प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर कलेक्ट्रेट मार्ग पर पिछले नौ दिनों से चल रहा पत्रकारों का अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को समाप्त हो गया। कान्हा प्रबंधन और आंदोलनकारी पत्रकारों के बीच लगभग दो घंटे तक चली मैराथन चर्चा के बाद 14 सूत्रीय मांगों में से अधिकांश पर सहमति बन गई, जिसके बाद पत्रकारों ने अपना आंदोलन वापस लेने की घोषणा की। बुधवार को कान्हा टाइगर रिजर्व के कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में फील्ड डायरेक्टर रविन्द्र मणि त्रिपाठी, डिप्टी डायरेक्टर पीके वर्मा और सहायक संचालक आशीष पांडे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। पत्रकारों ने 14 बिंदुओं का मांग पत्र प्रबंधन के सामने रखा और बाघों की सुरक्षा व पार्क प्रबंधन की पारदर्शिता को लेकर तीखे सवाल किए। प्रबंधन द्वारा दिए गए तार्किक समाधानों और मांगों को स्वीकार किए जाने के बाद पत्रकारों ने संतोष व्यक्त किया। समझौते के तहत सबसे प्रमुख निर्णय यह लिया गया है कि पत्रकारों का एक पांच सदस्यीय दल प्रत्येक माह कान्हा पार्क का दौरा और मॉनिटरिंग करेगा। इससे मीडिया स्वयं जमीनी हकीकत देख सकेगा और जनता तक सही जानकारी पहुँचा पाएगा। पत्रकारों ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में प्रबंधन द्वारा गलत जानकारी दी गई, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की जाएगी।

बजट और सफारी व्यवस्था में पारदर्शिता-पत्रकारों ने पिछले पांच वर्षों के बजट, वन्यजीवों की सुरक्षा पर हुए खर्च और प्रचार-प्रसार में व्यय की गई राशि को सार्वजनिक करने की मांग की है। इसके साथ ही पार्क के भीतर होने वाले पुल-पुलिया व सड़क निर्माण कार्यों की जानकारी सूचना बोर्ड के माध्यम से प्रदर्शित करने पर भी सहमति बनी है। वन्यजीवों को संक्रमण से बचाने बाहरी पशुओं के प्रवेश पर रोक और पार्क क्षेत्र को पूरी तरह प्लास्टिक डिस्पोजल मुक्त बनाने की मांग को भी प्रबंधन ने स्वीकारा है। पत्रकारों ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय सीमा में इन मांगों पर अमल नहीं हुआ, तो वे पुन: आंदोलन की राह पकड़ेंगे।

पक्के निर्माण और अतिक्रमण पर उठाई आवाज

आंदोलनकारियों ने पार्क के भीतर हो रहे पक्के निर्माण कार्यों, जैसे होटल और रिसॉर्ट्स पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। प्रबंधन ने आश्वासन दिया है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगाड़ने वाले निर्माणों की जांच की जाएगी। साथ ही पार्क के तीनों प्रमुख गेटों के आसपास बढ़ रहे अवैध अतिक्रमण को हटाने और रिसॉर्ट्स में देर रात डीजे, आतिशबाजी व विवाह समारोहों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग पर भी गंभीरता से विचार करने की बात कही गई।